

वार्तालाप नं 610, जम्मू, ता.05.08.05
Disc.CD No.610, Jammu, Dt.05.08.08
Part-1

समय: 00.01-03.45

- जिज्ञासु :-** कल्पवृक्ष में जो वैजन्ती माला दिखाई है, उसमें ऊपर शिव बाप, प्रजापिता ब्रह्मा और जगदम्बा दिखाया है। ...
- बाबा :-** शिव बाप या शिव बाबा?
- जिज्ञासु :-** शिव बाप , प्रजापिता ब्रह्मा और जगदम्बा दिखाया है।
- बाबा:-** ऊँच ते ऊँच माला कौन सी है? (किसी ने कहा - रुद्रमाला) तो झाड़ के चित्र में बाबा ने कौन सी माला दिखाई होगी?
- जिज्ञासु :-** वैजयन्ती माला।
- बाबा:-** हाँ। लेकिन ब्रह्मा बाबा को इस बात का ज्ञान था?
- जिज्ञासु :-** नहीं।
- बाबा:-** कि विजय माला ऊँची होती है या बाप की माला ऊँची होती है?

Time: 01.01-03.45

- Student:** In the *Vaijanti maala* which has been depicted in the *kalpa* tree, Father Shiva is shown on the top and then Prajapita Brahma and Jagdamba are shown.
- Baba:** Is it Father Shiva or Shivbaba?
- Student:** The Father Shiva, Prajapita Brahma and Jagdamba have been depicted.
- Baba:** Which is the highest rosary? (Someone said: *Rudramala*¹.) So, which rosary will Baba have depicted in the picture of the Tree?
- Student:** *Vaijayanti maala*.
- Baba:** Yes. But did Brahma Baba know this?
- Student:** No.
- Baba:** [Did he know] whether the *Vijaymala*² is high or the Father's *maala* (rosary) is high?

- जिज्ञासु :-** ब्रह्मा बाबा को यह ज्ञान नहीं था ।
- बाबा:-** हाँ, इसलिये जो चित्र बने हैं उसमें भी त्रुटि है चाहे वो त्रिमूर्ति का चित्र हो और चाहे वो लक्ष्मी नारायण का चित्र हो। चित्रों में अभी भी बहुत कुछ सुधार होना है ज्ञान के अनुसार। जो निराकार का चित्र दिखाया है जिसे हम शिवबाबा कह देते हैं वो कहना रांग है या सच है? (किसी ने कहा रांग है) माला में शिव आता है, गिनती में आता है या वो चक्र में ही नहीं आता? माला में आता है शिव?

¹ Rosary of Rudra

² Rosary of victory

(किसी ने कहा - नहीं आता) शिव तो चक्र में ही नहीं आता तो माला में भी नहीं आता। माला में तो वो आते हैं जो चक्र में आते हैं 5000 वर्ष के सृष्टि चक्र में।

जिज्ञासु :-

लेकिन ज्योति बिन्दु भी वहां माला में दिखा दिया।

बाबा:-

हाँ, दिखाने वाले कौन हैं? दिखाने वाले जो भी हैं वो आज तक बिन्दु को ही भगवान मानते हैं या साकार में निराकार को भगवान मानते हैं? (किसी ने कहा - बिन्दु को ही भगवान मानते हैं।) तो उनका चित्र भी वैसा ही होगा। चित्र में सुधार करना चाहिए। चित्र में रांग है तब तो कहा ये त्रिमूर्ति आदि के जो चित्र हैं वो एक्यूरेट नहीं हैं। यथार्थ नहीं हैं। तुम बच्चों को एक्यूरेट चित्र निकालने चाहिए।

Student:

Brahma Baba did not have this knowledge.

Baba:

Yes. This is why there is a flaw even in the pictures that have been prepared, whether it is the picture of the *Trimurty* or the picture of Lakshmi-Narayan. A lot of correction is yet to take place in the pictures as per the knowledge. The picture of the incorporeal One that is shown, the one whom we call Shivbaba; is it wrong or right to call it so? (Someone said: It is wrong). Is Shiva included, counted in the rosary or doesn't He pass through the cycle at all? Is Shiva included in the rosary? (Someone said: He isn't.) Shiva doesn't come in the cycle [of birth and death]; so, He doesn't come in the rosary either. Those who pass through the cycle [of birth and death], the cycle of 5000 years are included in the rosary.

Student:

But the Point of light has been depicted in the rosary there.

Baba:

Yes. Who has depicted it? Have the people who have depicted it considered the Point itself to be God or do they believe in the incorporeal One within the corporeal one? (Someone said: They consider the Point itself to be God). So, their picture shall also be like that. You should make corrections in the picture. The picture is wrong that is why it has been said that the pictures of *Trimurty* etc. are not accurate. They are not accurate. You children should bring out the accurate pictures.

उन्होंने शिवबाबा का 32 गुणों वाला चित्र बनाया दिया। अब गुण बिन्दी में होते हैं, निराकार में होते हैं या गुण अवगुण साकार में होंगे? (जिज्ञासु - लिमिटेड गुण हो गये वो तो। वो भी रांग है।) लिमिट भी कहा। लिमिट अनलिमिट की बात ही नहीं। गुण अवगुण जो हैं वो साकार में ही होते हैं। बिन्दु में गुण अवगुण की तो बात ही नहीं। वो समझते हैं कि जो बिन्दु है सो ही लिंग है। लेकिन क्या ये सही है? बिन्दु अलग बात, और लिंग, लिंग अलग बात। लिंग है साकार की यादगार। जिसने निराकारी स्टेज बनाई है। इन्द्रियाँ जैसे कि हैं ही नहीं। ऐसे नहीं कि इन्द्रियाँ हैं नहीं। हैं तो, लेकिन इन्द्रियाँ होते हुए भी दुनिया की ग्लानि कान में पड़ती नहीं। एक कान से सुना, दूसरे कान

से निकाल दिया। जानते हैं ये तो झूठी बातें हैं। इनका अस्तित्व आज है कल, कल नहीं रहेगा। झूठ के उपर ध्यान क्यों देना।

They have prepared Shivbaba's picture with 32 virtues. Well, are virtues present in a point, in the incorporeal One or are virtues and bad traits in the corporeal one? (Student: Those are limited virtues. That too is wrong) Not limited, there is no question of limited, unlimited. Virtues and bad traits are present only in the corporeal one. There is no question of virtues and bad traits in a point at all. They think that the Point itself is the *ling*. But is it correct? The topic of the Point is different and the topic of the *ling* is different. *Ling* is a memorial of the corporeal one who has attained an incorporeal *stage*. It is as if the *indriyaan*³ are not present at all. It is not that the *indriyaan* do not exist at all. They do exist, but despite the existence of the *indriyaan* the world's defamation does not enter the ears at all. He hears from one ear and removes it from the other. He knows that these are false topics. They exist today; they will not exist tomorrow. Why should we pay attention to lies?

समय: 03.55-07.26

जिज्ञासु :- बाबा ये सीढ़ी के चित्र में एक तरफ चार कुमार दिखाये हैं और दूसरी तरफ तीन कुमारी वो एक कुमारी क्यों कम हो गई?

बाबा:- जो कुमार चार दिखाये हैं वो सतोप्रधान स्टेज के दिखाये हैं या तमोप्रधान स्टेज के दिखाये हैं? क्योंकि ब्राह्मणों के संगमयुगी दुनिया में, शूटिंग पीरीयड में चारों अवस्थाओं से गुजरना होता है। तो आदि में कुमारियां प्रत्यक्ष हुई थी या कुमार प्रत्यक्ष हुये थे? कुमार प्रत्यक्ष हुये थे। उस समय उन्होंने सतोप्रधान पार्ट बजाया। बाद में नम्बरवार तमोप्रधान हो गये। नम्बरवार सतोप्रधानता बचीं। तो लास्ट में जो जास्ती तमोप्रधान बनेगा वो गुम होगा या नहीं होगा? नहीं गुम होता है क्योंकि वो बीज है।

Time: 03.55-07.26

Student: Baba, in the picture of the Ladder, four *kumars* (bachelors) have been shown on one side and three *kumaris* (virgins) on the other side; why is one *kumari* less?

Baba: Have the four *kumars* who have been depicted represent the *satopradhaan stage* or the *tamopradhaan stage*? It is because in the Confluence Age world of Brahmins, in the *shooting period* one has to pass through all the four stages. So, were the *kumaris* revealed in the beginning or were *kumars* revealed? *Kumars* were revealed. At that time they played a *satopradhaan part*. Later on they became *tamopradhan* one after the other. They were in a *satopradhan* stage number wise (more or less). So, will the one who

³ Parts of the body used to perform actions and the sense organs

becomes more *tamopradhaan* vanish in the end or not? He does not vanish because he is the seed.

और जो कुमारियां दिखाई गई हैं, वो रुद्रमाला की हैं या विजयमाला की हैं? वो विजय माला की हैं कुमारियां। इसलिये जब वो तमोप्रधान हो जाता है बीज, तो बीज तमोप्रधान होगा तो तमोप्रधानता के साथ प्रवृत्तिमार्ग रहेगा या लोप हो जायेगा? लोप हो जाता है। तमोप्रधान माना व्यभिचारी आत्मा। जिसकी एक के उपर आस्था नहीं रहती। और राम वाली आत्मा की तो, जब से एडवांस ज्ञान शुरू होता है चाहे कितनी भी लड़ाई हो एडवांस की दुनिया में, चाहे कितना भी मारामारी हो, मारामारी माने निश्चय-अनिश्चय की मारामारी या स्थूल मारामारी? निश्चय-अनिश्चय की मारामारी विरोधाभास। चाहे जितना भी विरोधाभास हो और कहाँ भी विरोधाभास हो, लेकिन राम की आत्मा का बुद्धियोग एक के उपर अटल रहता है। तो ये व्यभिचार हुआ या अव्यभिचार हुआ? ये अव्यभिचारी बात हो गई। तो जो जैसा करता वैसा वो पाता है। जो चौथा कुमार है वो कौन से धर्म का बीज है? क्रिश्चियन धर्म का बीज है। क्रिश्चियन धर्म का जो धर्म संस्थान होता है उसका नाम क्या है? गिरजाघर, ये गिरजाघर नाम पड़ने की शूटिंग कहाँ हुई होगी? संगमयुग में ही से शूटिंग होती है। वो आत्मा जो क्रिश्चियन धर्म का बीज है एक तरफ तो राम को प्रत्यक्ष करती है और दूसरी तरफ राम का बना बनाया चैतन्य घर फिर गिराने की कोशिश में रहती है। गिरा भी देती है। तो जो भगवान का घर गिरायेगा उसका गृहिणी रुपी घर खुद बरकरार रहेगा या उड़ जायेगा? तो नाम क्या पड़ जायेगा? गिरजाघर पड़ गया। तो तीन कुमारी दिखाई गई चौथी कुमारी नदारद।

And do those *kumaris* who have been depicted belong to the *Rudramala* or the *Vijaymala*? Those *kumaris* belong to the *Vijaymala*. This is why when the seed becomes *tamopradhaan*, will the household path exist or vanish along with impurity? It vanishes. *Tamopradhaan* means an adulterous soul, the one who does not have faith on one [person]. And as regards the soul of Ram, ever since the *advance* knowledge begins, however much fight takes place in the world of the advance [knowledge], however much fight and quarrel takes place; does fight and quarrel mean the fight and quarrel of faith and doubt or physical fight and quarrel? Fight and quarrel of faith and doubts, opposition (*virodhaabhaas*). No matter how much opposition there is, no matter where the opposition takes place but the connection of the intellect of the soul of Ram is focused on the One. So, is this adultery or purity? It is purity. So, someone reaps what he sows. So, the fourth *kumar* is a seed of which religion? He is a seed of the Christian religion. What is the

name of the religious institution of Christianity? *Girijaaghar* (church); where will the *shooting* for the name *girjaghar* have been performed? This *shooting* is performed in the Confluence Age itself. That soul, which is the seed of the Christian religion, reveals Ram on the one hand and tries to break down (*giraanaa*) the well-settled, living home (*ghar*) of Ram on the other hand. It even breaks it down. Will the wife (*grihani*) like home of the one who breaks down the house of God survive or will it vanish? So, what will it be named? It was named *Girjaaghar*. So, three *kumaris* have been depicted. The fourth *kumari* is missing.

समय: 07.31-09.15

जिजासु :- बाबा अब जो अमरनाथ का ये चल रहा है तो वो बना बनाया घर वो ही गिर रहा है ना।

बाबा:- ऐसे हंगामें न जाने कितने होते रहे हैं और होते रहेंगे। बाबरी मस्जिद का हंगामा कब से होता चला आ रहा है? ये मस्जिद और गिरजाघर और मंदिरों का झगड़ा ये होता ही चला आया है। होता ही रहता है छुटपुट, छुटपुट, छुटपुट। ये कोई फाईनल विनाश नहीं है। ये भी शूटिंग होती रहती है। हिन्दुओं में, मुसलमानों में, सिक्खों में, इसाईयों में, झगड़े तो ड्रामा में होते ही रहे हैं। उनकी शूटिंग हो रही है।

जिजासु :- लेकिन बाबा ये विनाश की ज्वाला यहीं से निकलेगी? कश्मीर से?

बाबा :- विनाश की ज्वाला ज्ञान यज्ञ कुण्ड से निकलती है या भक्तिमार्ग वालों से निकलती है? (किसीने कहा-ज्ञान यज्ञ कुण्ड) तो ज्ञान यज्ञ कुण्ड कहाँ है? (किसीने कहा-वो तो है ही।) हाँ, तो वो ही है तो वही। असली जो ज्वाला है वो ज्ञान यज्ञ कुण्ड से फूटेगी। वो अमरनाथ पत्थर का लिंग जो लाया और रख दिया और बर्फ का बनाया दिया स्थूल का वो असली नहीं है। विनाश का कारण वो नहीं है। विनाश का कारण वो है जो सदैव सत्य है। सदा सच। उसको दुनिया झूठ बोलेगी। कलंक लगावेगी । वो विनाश का कारण बनेगा। ये धर्म युद्ध है। सत्य और असत्य का युद्ध है।

Time: 07.31-09.15

Student: Baba, now the issue of Amarnath that is going on, so, this is the well-settled house that is falling, isn't it?

Baba: Many such disturbances have been taking place and will continue to take place. The disturbance of Babri mosque has been continuing since a long time. This dispute between mosques, churches and temples has been going on. It keeps on happening in a minor way. This is not a *final* destruction. This *shooting* also keeps taking place. Fights between the Hindus, the Muslims, the Sikhs and the Christians have been taking place in the *drama*. Their *shooting* is going on.

Student: But Baba the flame of destruction will be ignited from here itself. From Kashmir.

Baba: Does the flame of destruction emerge from the *yagya kund* (pit for sacrificial fire) of knowledge or from those who follow the path of *bhakti*? Where is that *yagya kund* of knowledge? (Student: It is anyway there.) It is only [the *yagya kund*] which is anyway there. The actual flame will be ignited from the *yagya kund* of knowledge. That stone *ling* of Amarnath which was brought and placed, it was made up of ice in a physical form; it is not true. It is not the reason for destruction. The reason for destruction is the one who is always true, forever true. The world will call him false. It will disgrace him; he will become the reason for destruction. This is a *dharma yuddh* (war for religion). This is a war between truth and untruth.

समय: 09.18-19.37

जिज्ञासु :- बाबा ने आज मुरली में बोला 9 लाख में कनवर्ट होने वाले भी हैं दूसरे धर्मों में और न होने वाले भी हैं।

बाबा:- कनवर्ट होना माना क्या? ब्राह्मणों की दुनिया में ये तो पता नहीं चलता कौन दूसरे धर्म का है कौन अपने धर्म का है। फिर कनवर्ट किस आधार पर कहा जाये कि कनवर्ट हुआ?

जिज्ञासु :- जो दूसरों की बात मानते हैं।

बाबा:- हाँ। जो शिवबाबा की बात को ध्यान न देकर, शिवबाबा को न पहचान करके फिर देहधारी गुरुओं का पल्ला पकड़ लेता है और उनकी बात को मानता है तो कौन सा हुआ? स्वधर्मी हुआ या परधर्मी हुआ? और स्वधर्म में कौन-कौन से धर्म आते हैं? सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी। तो नौ लाख में दोनों ही ग्रुप होंगे या एक ही होगा?

जिज्ञासु :- दोनों होंगे।

Time: 09.18-19.37

Student: Baba said in today's murli, didn't he? - That there are those who convert to other religions as well as those who do not convert among the nine lakh (900 thousand) [souls].

Baba: What is meant by conversion? In the world of Brahmins we cannot know who belongs to other religions and who belongs to our religion. Then on what basis can we say that someone has converted?

Student: The one who accepts others' words.

Baba: Yes. The one does not pay attention to Shivbaba's words, does not recognize Shivbaba and takes the support of the bodily gurus and accepts their words, what is he? Is he a *swadharmi* (one who belongs to the Deity Religion) or a *pardharmi* (one who belongs to other religions)? And which religions are included among *swadharma*? *Suryavansh* and *Chandravansh*⁴. So, will nine lakh include both groups or only one?

Student: Both.

⁴ The Sun dynasty and the Moon dynasty

बाबा :- दोनों होंगे। इसका मतलब कितने सूर्यवंशी होंगे और कितने चन्द्रवंशी होंगे? साढ़े चार लाख ठेठ चन्द्रवंशी होंगे और साढ़े चार लाख सूर्यवंशी होंगे। जो 4.5 लाख सूर्यवंशी होंगे वो जन्म लेने वाले होंगे कि देने वाले होंगे? जन्म देने वाले होंगे। जो जन्म देने वाले दाता होंगे, पिता होंगे। जन्म देने वाला क्या कहा जाता है? जन्म देने वाला पिता कहा जाता है। तो जो जन्म देने वाले होंगे उनमें भी स्त्री चोला और पुरुष चोला होंगे या नहीं होंगे? (सभी ने कहा - होंगे।) कितने-कितने होंगे? उसमें भी आधा-2 होंगे। तो कितने -2 रह गये?

जिज्ञासु :- सवा दो लाख।

बाबा:- जन्म देने वालों में सवा दो लाख स्त्री चोले और सवा दो लाख पुरुष चोले, पिता। तो जो स्त्री चोले होंगे, सवा दो लाख वो कौन से वंश से आयेंगे?

जिज्ञासु :- चन्द्रवंश से ।

बाबा:- चन्द्रवंश से आयेंगे। तो वो भी सूर्य के असली वंश के हुये या वो भी कनवर्ट हो करके चन्द्रवंश से सूर्यवंश के बन जावेंगे? वो भी कनवर्ट होंगे। इसकी यादगार क्या है? भारतवर्ष में इसकी कोई यादगार अभी भी चल रही है कि नहीं? शादी होती है तो शादी होने के बाद कन्या का जो टाइटल है वो किसका पड़ जाता है? पति का टाइटल पड़ जाता है। पुराना टाइटल तो रहता नहीं। तो कनवर्ट हो गया ना। ऐसे ही जो विजयमाला है, जो चन्द्रवंश से आती है मूल, वो चन्द्रवंशी बदल करके सब क्या हो जावेंगे? सूर्यवंशी।

Baba: Both will be included. It means that how many will be *Suryavanshi* and how many will be *Chandravanshi*? Four and a half lakh (450 thousand) will be pure *Chandravanshis*⁵ and four and a half lakh will be *Suryavanshis*⁶. Will the 4.5 lakh *Suryavanshis* be the one who are born or the ones who give birth? They will be the ones who give birth. Those who are the ones who give birth, the givers, those who are fathers; what is the one who gives birth called? The one who gives birth is called a father. So, will there be females and males among those who give birth or not? (Everyone said: There will be.) How many [of each category] will there be? Even among them there will be half each. So, how many will they be?

Student: Two lakh and twenty five thousand.

Baba: Among those who give birth 2.25 lakh will have female bodies and 2.25 lakh will have male bodies, [they will be] fathers. So, from which dynasty will the 2.25 lakh females come?

Student: From the *Chandravansh*.

Baba: They will come from the *Chandravansh*. So, do they also belong to the actual dynasty of the Sun or will they *convert* from *Chandravansh* to *Suryavansh*? They will convert, too. What is its memorial? Is its memorial continuing in the land of India to this day or not? When marriage takes place then after

⁵ Those who belong to the Moon dynasty

⁶ Those who belong to the Sun dynasty

marriage whose *title* (surname) does a virgin get? She gets the *title* of her husband. The old *title* does not exist any longer. So, it converted, didn't it? Similarly, the *Vijaymala* which comes originally from the *Chandravansh*; what will all those *Chandravanshis* convert to become? *Suryavanshi*.

तो मूल को पकड़ेंगे असली या जो बाद में सूर्यवंशी बने उनको मूल कहेंगे? असली किनको कहेंगे? जो सवा दो लाख पुरुष चाले है उनको कहेंगे असली। है न? जो सवा दो लाख असली रुद्रमाला के मणके हैं उनमें भी कितने धर्मों के छिलके वाले हैं? अरे! और-और धर्मों का छिलका है या एक ही धर्म के पक्के हैं? नौ धर्मों के छिलके वाले हैं। कोई सूर्यवंश के पक्के, कोई चन्द्रवंश के पक्के, कोई इस्लामी वंश के पक्के, कोई के उपर बौद्धी वंश का छिलका है, कोई के उपर क्रिश्चियन धर्म का छिलका है, कोई के सहयोगी धर्म का छिलका है। तो कितने धर्म के हो गये? अलग-2 धर्म के छिलके हैं या नहीं? उनको चेन्ज होना है या नहीं होना है? वो छिलका उतरेगा धर्मराज के डन्डों से या नहीं उतरेगा? तो धर्मराज के डन्डों से छिलका उतरेगा तो कनवर्ट होने वाले हुये या अपने धर्म के पक्के हुये? उनमें कनवर्ट होने वालों का जो औसत है वो कितना है? जो 9 धर्मों के हैं, नौ धर्मों के नहीं है, 10 धर्मों के कहे, नास्तिक धर्म के बीज नहीं हैं क्या? जो नास्तिक धर्म के बीज होंगे वो भी सतयुगी दुनिया में, नई दुनिया में जायेंगे या नहीं जायेंगे? माला में दूसरे धर्म के नहीं आते। प्रजा में आते हैं कि नहीं आते? तो जो सतयुग में जो प्रजा होगी वो नास्तिक धर्म की नहीं होगी? जो कभी भी सतयुग त्रेता के कोई जन्म में, कोई भी राजाई में पद, कोई भी कुर्सी नहीं मिलेगी। न प्रिंस बनेंगे और न ...

So, will those who catch the original or will those who become *Suryavanshis* later on be called the original ones? Who will be called the original ones? The 2.25 lakh males will be called the original ones, will they not? The 2.25 lakh true beads of the *Rudramala* also include the ones with the peel of how many religions? *Arey*, are they covered with the peel of other religions or are they firm in only one religion? They are covered with peels of nine religions. Some are firm in *Suryavansh*, some are firm in *Chandravansh*, some are firm in *Islamvansh*, some are covered with the peel of the Buddhist dynasty; some are covered with the peel of the Christian religion. Some are covered with the peel of the supporting religions. So, there are the ones with [the peel of] how many religions? Are there peels of different religions or not? Are they supposed to change or not? Will that peel be removed by the beatings of Dharmaraj or not? So, when the peel is removed by the beatings of Dharmaraj, then are they the ones who *convert* or are they firm in their religion? What is the average of those who *convert* among them? They belong to nine religions, not nine religions, we should say ten religions; are there not the seeds of the atheist (*nastik*) religion? Will the seeds of the *naastik* religion also go to the Golden Age world, the new world or not?

[The souls] of other religions are not included in the rosary. Are they included among the *praja* (subjects) or not? So, will the *praja* of the Golden Age not include those from the *naastik* religion? They are the ones who will never get any position, any seat in any birth, any kingship of the Golden Age and the Silver Age. They will neither become princes nor...

जिज्ञासु :- स्वर्ग में कैसे आ सकते हैं वो नास्तिक? उन्होंने पुरुषार्थ ही नहीं किये हैं।
बाबा: नास्तिक हैं, वो नास्तिक धर्म के जो बीज हैं जिन्होंने पुरुषार्थ नहीं किया है, सुना तो है संदेश तो लिया है। तो संदेश लेने वाले प्रजा वर्ग में जावेंगे या नहीं जावेंगे? प्रजा वर्ग में तो जरूर जावेंगे। (कोई ने कहा - सतयुग के एन्ड में ही आये) बिल्कुल एन्ड में। हाँ जी। क्योंकि दुनिया की 500-700 करोड़ आत्माओं में से एक भी आत्मा ऐसी रह जायेगी जो लास्ट में बिल्कुल अंतिम समय में ओ गाड फादर न कहें? गाड फादर को जो सच्चा न माने। ऐसा कोई रह जावेगा? कोई नहीं रह जावेगा। जब सब के अन्दर से आवाज ये आ जायेगी एक गाड फादर ही सच्चा है। तब ही वो सच खण्ड में जावेगा। नहीं तो परमधाम में जाने वाला, मारे-2 डण्डों से कबूलवाय लेगा धर्मराज। मानने के लिये मजबूर हो जावेगी आत्मा कि गाड फादर भी कोई चीज है।

जिज्ञासु :- बाबा डण्डे खा के आयेंगे?
बाबा:- हाँ। डण्डे खा के आयेंगे तो क्या हुआ? डण्डे खाने वाले तो 16000 के अन्दर भी होंगे। डण्डे खाने वाले तो 8 के अलावा सारे ही डण्डे खाने वाले हैं। ये क्या बड़ी बात हो गई? अच्छा तो मूल प्वाइंट रह जायेगा। (किसीने कुछ कहा।) हां क्या कह रहे थे?

Student: How can those atheists come in heaven? They have not made *purushaarth* at all.

Baba: Those *naastiks* (atheists), those seeds of the *naastik* religion, who have not made *purushaarth*; they have at least heard [the knowledge], they have at least obtained message. So, will those who obtain the message be included in the subjects category or not? They will definitely be included in the *praja* category. (Someone said: They will come in the end of the Golden Age) In the very end. Yes. It is because will there be even a single soul among the 500-700 crore souls of the world which would not say 'O! God the Father!' in the end, in the very end and would not accept God the Father true? Will there be any such soul left out? There will not be any such soul. When this sound emerges from everyone that the one God the Father Himself is true only then will they go to the abode of truth. Otherwise, they [won't go] to the Supreme Abode. The Dharmaraj (Chief Justice) will make them accept it by beating them. The soul will be compelled to believe that there is someone called God the Father.

Student: Baba, will they come after suffering beatings?

Baba: Yes. What will happen if they come after suffering beatings? Those who suffer beatings will be included among 16000 as well. Except for the eight

all the others are going to suffer beatings. What is a big deal in that? *Acchaa*, the original *point* will be left out. (Someone said something.) Yes, what were you saying?

- जिज्ञासु :-** सतयुग में कैसे आयेंगे नास्तिक वाले? हाँ, स्वर्ग में आ सकते हैं।
- बाबा: -** स्वर्ग और सतयुग क्या होता है?
- जिज्ञासु :-** त्रेता के अन्त में आयेंगे ।
- बाबा :-** हां जी, हां जी। त्रेता के अन्त में आयेंगे। सतयुग में भी आयेंगे, आयेंगे और उनकी परम्परा चलती रहेगी। लेकिन राजाई में, राजाई में नास्तिक धर्म नहीं आता है। प्रजा वर्ग में चली जावेगी।
- जिज्ञासु :-** बाबा सुख तो फिर भी उनको मिलेगा।
- बाबा:-** तो क्या हुआ? उन्होंने सुख देने का काम नहीं किया विनाश के टाइम पर? विनाश के टाइम पर जो दुनिया हाय-हाय करके मर रही थी, प्राण भी नहीं निकल रहे थे एटम बम्ब फटा और फट से प्राण... तो सुखदायी हुये कि दुखदायी हुये?
- जिज्ञासु :-** बाबा के बच्चों ने जो पुरुषार्थ किया है उनसे तो बेटर हुये वो।
- बाबा:-** वो तो थोड़े समय का सुख लेंगे, बच्चे तो 84 जन्म को सुख लेंगे। वो तो अन्तिम जन्म में सतयुग में आवेंगे। सतयुग के अन्तिम जन्म में आवेंगे या पहले जन्म में आ जावेंगे? अन्तिम जन्म में आवेंगे। जैसे कि नास्तिक धर्म आते ही हैं 84 जन्म में। अभी जो रशिया में जो धर्म चला है नास्तिकों का, जिन्होंने एटम बम्ब बनाये हैं वो अभी 100-150 वर्ष के अन्दर आये कि पहले थे? 100-150 वर्ष के अन्दर हुये है। तो बात जो चल रही थी वो दूसरी चल रही थी। क्या?
- Student:** How will the *naastiks* come in the Golden Age? Yes, they can come in heaven.
- Baba:** What is the heaven and what is the Golden Age?
- Student:** They will come in the end of the Silver Age.
- Baba:** Yes, yes. They will come in the end of the Silver Age. They will come in the Golden Age as well and their tradition will continue. But the atheist religion does not enjoy kingship. They will be included in the *praja* category.
- Student:** Baba, however they will experience happiness.
- Baba:** So, what? Did they not perform the task of giving happiness at the time of destruction? At the time of destruction when the world was dying crying out in despair, they were unable to die completely; and as soon as the *atom bomb* exploded they [left] their life in a second. So, are they givers of happiness or givers of sorrow?
- Student:** Baba, they are better than Baba's children who have made *purushaartha*.
- Baba:** They will obtain happiness for a short time and children will enjoy happiness for 84 births. They (the *nastiks*) will come in the last birth of the

Golden Age. Will they come in the last birth of the Golden Age or in the first birth? They will come in the last birth. For example, the atheists come only in the 84th birth. The atheist religion which is popular in Russia, those who have produced the atom bombs, have they come in the last 100-150 years or did they exist before that? They have existed within 100-150 years. So, the topic being discussed was something else. What?

- जिज्ञासु :-** सूर्यवंशीयों की...
- बाबा :-** हाँ। सूर्यवंशी कितने होंगे?
- जिज्ञासु :-** बाबा, जो बिल्कुल कनवर्ट नहीं होते किसीसे, एक बाप को ही मानते है वो कितने होंगे?
- बाबा:-** अभी तो वो बताते-बताते बीच में दूसरी बात पैदा हो गई। तो सवा दो लाख में 9 हिस्से हो गये।
- जिज्ञासु :-** 25000
- बाबा:-** हाँ, तो कितने-कितने हुए? कितने हुये असली सूर्यवंशी? अरे, किताब की बात क्या है? एक लाख में चार हिस्से 25-25 के। तो सवा दो लाख में?
- जिज्ञासु :-** 25000
- बाबा:-** सवा दो लाख। एक लाख के 25-25 के चार हिस्से। हैं न। चार हिस्से तो दो लाख के? 8 हिस्से। तो बचा कितना? 25, तो कितने हुए? (किसीने कहा - 9 हिस्से।) तो 25000 ही ऐसे हैं सूर्यवंशी जो अपने धर्म के पक्के हैं। प्रजा धर्म की भी जो आत्मार्ये होंगी, प्रजा वर्ग में जाने वाली भी जो आत्मार्ये होंगी वो एक सूर्य के अलावा और किसी को मानने वाली नहीं होंगी। भल अन्त में माया छोड़ती तो किसी को नहीं है। क्या? भल माया किसी को नहीं छोड़ती है फिर भी अपने धर्म पर अडिग रहने वाले कितने होंगे? (जिज्ञासु - 25000) हाँ। जानी तू आत्मार्ये होंगे।

- Student:** The *Suryavanshis*...
- Baba:** Yes. There will be how many *Suryavanshis*?
- Student:** Baba, what will be the number of those who do not convert at all, who accept just the one Father?
- Baba:** Another topic started while narrating [this]. So, there are nine parts among 2.25 lakhs.
- Student:** 25,000.
- Baba:** Yes. So, there are how many each? How many are the true *Suryavanshis*? Arey, why do you need a book? There are four parts of 25000 each in one lakh so what about 2.25 lakh?
- Student:** 25000.
- Baba:** 2.25 lakh. There are four parts of 25[thousand] each in one lakh. Four parts. So, what about two lakh? Eight parts. So, what remained? 25[thousand]. So, what is the number? So, only 25000 are such *Suryavanshis*, those who are firm in their religion. All the souls of the *praja* religion, the souls which will

go in the *praja* category will not accept anyone except the one Sun, although Maya does not spare anyone in the end. What? Although Maya does not spare anyone, yet how may will remain unshakeable in their religion? Yes. They will be knowledgeable souls. ... (to be continued.)

Part-2

समय: 19.43-20.54

- जिज्ञासु :-** बाबा आसा राम बापू का इतना कुछ हो गया उसका क्या?
- बाबा:-** आपको बड़ी चिन्ता हो रही है। आपको बड़ी चिन्ता हो रही है। रहम आ रहा है। उनका भी शंकर का पार्ट हो सकता है। आसा राम बापू का भी शंकर का पार्ट हो सकता है। माना शंकर दो हैं। क्या? हाँ जी?
- जिज्ञासु :-** कृष्ण का पार्ट वो बताता है ना।
- बाबा:-** बताता है। बुद्धि में बैठ गया न अरे ! कृष्ण था, शंकर था। अब ये क्या हो रहा है? तुम्हारे बाप के बारे में नहीं होता है?
- जिज्ञासु :-** वो कहते हैं न जो उनके चेले बने हुए हैं।
- बाबा:-** हाँ, तो क्या हुआ? खुद भी रो रहा था? तो रो रहा था इससे ये साबित होता है कि वो भगवान नहीं है। भगवान दुःख में रायेगा क्या? भगवान तो सबके दुःख हरण करने वाला है। वो रायेगा क्यों? हाँ, खुशी के आँसू हो कि मेरे बच्चे कितने अच्छे हैं। वो बात अलग है।

Time: 19.43-20.54

- Student:** Baba, what about the incidents that Asa Ram Bapu has faced?
- Baba:** You are very worried. ☺ You are very worried. You are feeling pity. (Ironically:) He could also be playing the *part* of Shankar. Asa Ram Bapu could also be playing the part of Shankar. It means that there are two Shankars. What?
- Student:** He says that he plays the part of Krishna, doesn't he?
- Baba:** He says. It sat in your intellect, didn't it? *Arey!* He was Krishna, He was Shankar. What is happening now? Does it not happen with your Father?
- Student:** His followers say that.
- Baba:** Yes, so, what happened? He himself was crying? He was crying. It proves that he is not God. Will God cry in sorrow? God is the one who removes the sorrow of everyone. Why will He cry? Yes, if it is the tears of joy: My children are so nice! That is a different topic.

समय: 20.56-21.48

- जिज्ञासु :-** बाबा 25000 बच्चे जो हैं असली सूर्यवंशी जब बाबा का कलंकीधर का पार्ट बजेगा फिर वो बच्चे तो नहीं बाबा से विमुख हो जायेंगे? उनके उपर तो नहीं कोई असर होगा?

बाबा:- क्या असर नहीं होगा? असर क्यों नहीं होगा? सब एक जैसा पद पाने वाले क्या? माया तो सबको पकड़ती है। हाँ, कोई को 1 सेकेण्ड, 2 सेकेण्ड, 10 सेकेण्ड के लिये पकड़ेगी और कोई को लम्बे टाइम के लिये अचेत कर देगी। लक्ष्मण को कितने देर तक लिये मूर्छा आयी? एक रात के लिये मूर्छा आ गई। अपना-अपना नम्बर है। कौन कितने लम्बे टाइम तक अनिश्चय बुद्धि की स्टेज में रहता है और कौन कितने टाइम तक रहता है।

Time: 20.56-21.48

Student: Baba, the 25000 children who are real *Suryavanshis*, when Baba plays the part of Kalankidhar⁷, they will not turn their face away? There will not be any effect on them?

Baba: What won't affect them? Why will there not be any effect? Do they all achieve an equal position? Maya catches everyone. Yes, it will catch some for a second, some for two seconds, some for ten seconds; and it will make someone unconscious for a long time. For how long did Lakshman become unconscious? He felt unconscious for one night. So, everyone has his rank. Everyone remains in the *stage* of the one with a doubting intellect for different period.

समय: 21.49-34.08

जिज्ञासु :- बाबा, पाण्डव पाँच गाये जाते हैं।

बाबा:- हाँ जी।

जिज्ञासु :- और राजा राम के दो हाथ दिखाये जाते हैं।

बाबा :- राजा राम के दो हाथ दिखाये जाते हैं?

जिज्ञासु :- दो हाथ हैं। एक हाथ में पाँच उंगलियाँ होती हैं उन उंगलियों का संकेत दिया है पाँच पाण्डव से। जिसमें एक उंगली है कनिष्ठ वाली जो गोवर्धन पहाड़ को उठाती है।

Time: 21.49-34.08

Student: Baba, five Pandavas are famous.

Baba: Yes.

Student: And King Ram is shown to have two hands.

Baba: King Ram is shown to have two hands?

Student: He has two hands. There are five fingers in one hand. Those fingers have been compared with the Pandavas. The smallest finger lifts the Mount Goverdhan.

बाबा:- आप राम को क्यों जोड़ रहे हैं उसमें, कृष्ण को क्यों नहीं जोड़ा?

⁷ The one who bears disgrace

जिज्ञासु :- नहीं। कहा जाता है कि जो हाथ है ये हाथ किसका है? तो राजा राम का हाथ है।

बाबा:- पहले तो ये समझ लें कि पांच पाण्डव कौन हैं। भुजाओं को पाण्डव नहीं कहा जाता। क्या? सहयोगी तो उंगलियां भी हैं। सहयोगी भुजायें भी हैं, क्या? भगवान को दो भुजायें हैं या पांच भुजायें हैं? दो भुजायें हैं। इसका मतलब राम और कृष्ण ये दो आत्मायें ही ऐसी हैं जो सूर्यवंशी , चन्द्रवंशी भुजायें हैं। क्या? सूर्यवंशी भुजा कौन सी हुई? (किसीने कहा - दाईं तरफ।) हाँ सूर्यवंशी भुजा हुई और चन्द्रवंशी भुजा हुई, ब्रह्मा बाबा। सहनशीलता का आगार और सामना करने की शक्ति का आगार, ये दो आत्मायें हैं भुजा के रूप में। और उनमें भी एक-एक भुजा में पांच-पांच सहयोगी और हैं। उनकी लिस्ट है। तो हर धर्म में पांच प्रकार के हैं। लेकिन खास करके पाण्डव उनको कहा जाता है जो राईटियस हैं झाड़ के चित्र में। कौन-कौन धर्म राईटियस है? सूर्यवंश, चन्द्रवंश और बौद्धी वंश, सन्यास और सिक्ख। ये पांचों के जो पाँच मुखिया हैं वो ही पाँच पाण्डव कह दिये गये हैं। क्या? पाँच पाण्डव कहे गये हैं।

Baba: You are connecting Ram with it. Why didn't you connect Krishna with it?

Student: No. It is said, whose hand is this? This is King Ram's hand.

Baba: First understand who the five Pandavas are. The arms are not called the Pandavas. What? The fingers are also helpers. The arms are helpers too; what? Does God have two arms or does He have five arms? He has two arms. It means that only these two souls, Ram and Krishna are the *Suryavanshi* and *Chandravanshi* arms. What? Which is the *Suryavanshi* arm? (Someone said: The right arm.) Yes. [One is] the *Suryavanshi* arm and [the other is] the *Chandravanshi* arm, Brahma Baba. [One is] store of tolerance and [the other] is a store of the power to face. These two souls are in the form of arms. Also, each arm has five helpers. There is a *list* of those helpers. So, there are five kinds [of souls] in every religion. But those who are *righteous* (on the right side) in the picture of the Tree are called Pandavas. Which religions are *righteous*? *Suryavansh*, *Chandravansh*, *Bauddhi vansh*, Sanyas and Sikh. The five heads of these five [religions] have been termed as the five Pandavas. What? They have been termed the five Pandavas.

इनमें ऐसा पाण्डव कौन सा है जो सब राक्षसों को मारता है? सौ कीचकों को मारता है? सौ कौरवों को मारता है? (किसीने कहा - भीम।) वो कृष्ण वाली आत्मा है या राम वाली आत्मा है? राम वाली आत्मा है। उसको भीम भंयकर। ब्रकोउदरः। क्या नाम दिया है? ब्रक। ब्रक माना भेड़िया। उसका पेट कैसा है? भेड़िये की तरह पेट है। शेर तो बहुत थोड़ा खाता है। और भेड़िया? भेड़िया तो बहुत खाता है। उसको जन्म जन्मान्तर के लिये सुख रूपी अन्न बहुत चाहिए।

थोड़े सुख से उसका पेट नहीं भरता। तो कौन से कृष्ण की बात है? संगमयुगी कृष्ण की बात है या सतयुगी कृष्ण की बात है? है तो दोनों एक ही। एक ही चोले से संसार में दोनों प्रत्यक्ष होंगे। तो उसका नाम भीम भी है, उसका नाम युद्धिष्ठिर भी है। क्या कहा? युद्ध में स्थिर रहने वाला कौन हुआ? व्रकोदर? धर्म में स्थिर रहने वाला कौन हुआ? युद्धिष्ठिर कौन सी आत्मा? (सभी ने कहा - राम वाली आत्मा।) हे! राम वाली, सब कुछ राम वाली आत्मा! (किसीने कहा - कृष्ण वाली आत्मा।) हाँ, कृष्ण वाली सोल जो सहनशीलता का असली पार्ट बजाने वाली है वो युद्ध में स्थिर रहती है। धर्मराज युद्धिष्ठिर कहा जाता है। धारणाओं का राजा है। क्या नाम है धारणाओं के राजा का? धर्मराज। अभी भी जो वाणी चलाता है, वो धारणाओं की वाणी चलाता है या धारणाओं की वाणी से डिग गया? अभी भी धारणा की वाणी चलाता है। (किसीने कहा - अव्यक्त वाणी।) हाँ, इसलिये कहते हैं जीते जी स्वर्ग में कौन गया? युद्धिष्ठिर धर्मराज। लेकिन तन अपना नहीं है। तन किसका है? राम वाली आत्मा का। ये अन्तर पड़ जाता है।

Which Pandav among them kills all the demons, the one who kills hundred Keechaks, hundred Kauravas⁸? (Someone said: Bheem.) Is it the soul of Krishna or the soul of Ram? It is the soul of Ram. He [is named] Bheem, the dangerous one, Vrakodarah. What name was he given? *Vraka*. *Vraka* means wolf. How is his stomach? It is like a wolf. A lion eats very less. And what about the wolf? A wolf eats a lot. It needs a lot of food like pleasure for many births. It is not satisfied with a little pleasure. So, it is about which Krishna? Is it about the Confluence Age Krishna or the Golden Age Krishna? In fact, both are one and the same. Both will be revealed through the same body in the world. So, his name is Bheem as well as Yudhishtir. What was said? Who remains stable in war? Vrakodarah? Who remains constant in religion? Which soul is Yudhishtir? (Everyone said: The soul of Ram.) Hey! The soul of Ram! The soul of Ram is everything! (Someone said: The soul of Krishna.) Yes. The *soul* of Krishna who plays the true part of tolerance remains stable in war. It is said Dharmaraj Yudhishtir. He is the king of *dhaarnaa* (putting into practice the divine virtues). What is his name? Of the king of *dhaarnaa*? Dharmaraj. The *vani* that he narrates even now; does he narrate a *vani* of *dhaaranaa* or did he waver from the path of *dhaaranaa*? Even now he narrates the *vani* of *dhaaranaa*. (Someone said: Avyakt *vani*.) Yes. This is why it is said who went to heaven while being alive? Yudhishtir, Dharmaraj. But he does not have a body of his own. Whose body is it? Of the soul of Ram. This is the difference.

तो पांच पाण्डवों में एक हुआ युद्धिष्ठिर, दूसरा हुआ भीम और तीसरा वो है जो अर्जुन कहा जाता है। अर्जुन नाम का अर्थ क्या है? जो पुरुषार्थ का बहुत अर्जन

⁸ Keechak and Kauravas: Villainous characters in the epic Mahabharata

करता है। बहुत बुद्धिमान है बुद्धिमान नरपुंगवः । इतना बुद्धिमान है कि सारे बौद्ध साहित्य में आत्मा का, परमात्मा का, स्वर्ग का कहीं नाम निशान नहीं आया है। लेकिन धर्म के सिद्धान्त बहुत फर्स्ट क्लास। कितनी बुद्धिमानी का काम किया। विधर्मियों में कोई ऐसा धर्म है जो इतना इच्छा साहित्य लिखा हुआ हो जिसमें? तो वो अर्जुन हुआ तीसरा पाण्डव। उसके बाद नकुल, न इस कुल के पक्के, न उस कुल के पक्के। दोनों तरफ ढोल पीटते हैं। इस कुल माने देवता धर्म, देवता धर्म में जो प्रवृत्तिमार्ग है पक्का वो प्रवृत्तिमार्ग की पहचान उनको अन्त तक नहीं हो पाती। कौन सा प्रवृत्तिमार्ग? दूरबाज, खुशबाज रहकरके वो पवित्रता का पालन करते हैं या गृहस्थी के कीचड़ में रहकरके वो पवित्रता का पालन करते हैं? दूरबाज खुशबाज वाली पवित्रता है उनकी। लेकिन फिर भी ज्यादा जन्मों में देवता धर्म की आत्मार्ये पवित्रता को ज्यादा इकट्ठा करती है आत्मा में, पवित्रता की पावर या सन्यास धर्म की आत्मार्ये पवित्रता की पावर इकट्ठा करती हैं? देवता धर्म की ज्यादा इकट्ठा करती हैं? द्वापर, कलयुग में देवता धर्म की आत्मार्ये हैं जो पवित्रता का ज्यादा पालन करती हैं? नहीं करती हैं। वो तो व्यभिचारी बन जाते हैं। सबसे जास्ती व्यभिचारी तो वो ही बनते हैं।

So, among the five Pandavas one is Yudhishtir, second is Bheem and the third is called Arjun. What is meant by the name Arjun? The one who earns (*arjan*) a lot of *purusharth*. The one who is very intelligent. *Buddhimaan narpungavah* (intelligent elevated man). He is so intelligent that there is no name or trace of the soul, the Supreme Soul, heaven in the entire Buddhist literature. But the principles of the religion are *first class*. He worked with such intelligence! Is there any religion among the *vidharmis* who wrote such a nice literature? So, Arjun happens to be the third Pandava. After him comes Nakul; they are neither firm in this clan nor in that clan. They beat the drum on both sides. 'This clan' means the Deity Religion. They are unable to recognize till the end the firm household path in the Deity Religion. Which household path? Do they maintain purity while living away from the household (*doorbaaz-khushbaaz*) or do they maintain purity while living in the mire of household? Their purity is one of living far [from the household] and being happy. Yet, do the souls of the Deity Religion accumulate more purity, more power of purity for many births or do the souls of the Sanyas religion accumulate more power of purity? The souls of the Deity Religion accumulate more [purity]? Do the souls of the the Deity Religion maintain more purity in the Copper Age and the Iron Age? They do not. They become adulterous. It is they who become the most adulterous.

तो प्योरिटी की पावर भल दूरबाज, खुशबाज प्योरिटी की पावर है लेकिन ज्यादा पावर है किसमें? (किसीने कहा-सन्यास।) इसलिये झाड़ के चित्र में

देखो सबसे मोटी जड़ कौन सी है? सन्यास धर्म की जड़ सबसे मोटी है। मोटी क्यों दिखाई गई? कोई स्थूल रूप में मोटी होने की बात नहीं है, पावर ज्यादा है। वो प्योरिटी की पावर इतनी जास्ती है कि देवता धर्म की आत्मार्यें नाक रगड़-रगड़ के मर जाये विजय नहीं प्राप्त कर सकती जब तक सन्यास धर्म की वो आत्मार्यें, देवता धर्म की आत्माओं की सहयोगी नहीं बने। गंगा जब तक नहीं निकलेगी, और गंगा के किनारे चौकड़ी मारके बैठने वाले संन्यासी जब तक नहीं निकलेंगे तब तक तुम बच्चों की विजय नहीं हो सकती। इतना पावरफुल धर्म है।

So, although they have the power of *purity* while being away from the [household], but who possesses more power? (Someone said: Sanya.) This is why look at the picture of the Tree, which is the thickest root? The root of the Sanyas religion is the thickest one. Why has it been shown to be thick? It is not about being thick in a physical form. It has more *power*. That *power of purity* is so much that even if the souls of the Deity Religion die rubbing their nose (making efforts), they cannot gain victory until those souls of the Sanyas religion become helpers of the souls of the Deity Religion. Unless Ganga emerges and unless the Sanyasis sitting cross-legged on the banks of the Ganga emerge, you children cannot gain victory. It is such a *powerful* religion.

तो कभी तो वो इतने पावरफुल हैं और कोई टाइम ऐसा भी आता है कि वो सबसे ज्यादा विकारी बन जाते हैं। जब विदेशों में जाकरके ढेर सारी लड़कियां रखते हैं और उनके साथ अनाचार-दुराचार सब प्रत्यक्ष हो जाता है संसार में। उतने वैभव उनके पास होंगे जितने दुनिया वाले रईसों के पास वैभव नहीं होते। ऐरोप्लेन भी उनके पास। क्या? ऐसा हवाई जहाज भी उनके पास होता है कि जो जहाँ चाहें छत पर उतर जायें। क्या कहते हैं उसे? हेलीकाप्टर। इतने पावरफुल हैं। तो उनका नाम क्या हुआ? नकुल। न इस धर्म के पक्के और न विधर्मियों में जाकरके, विदेशियों में जाकरके नाम कमाते हैं, राजयोग सिखाते हैं। पूरे विदेशी बन जाते हैं। विदेशी सभ्यता को ग्रहण कर लेते हैं। ऊँचे-ऊँचे बिल्डिंगें बनाते हैं। जितनी उंची-उंची बिल्डिंगें उन विदेशी के पास भी नहीं हैं। जितने जहाज, हवाई जहाज उनके पास नहीं, उतने उनके पास होते हैं पर्सनल। तो उनको कहा जाता है नकुल। न इस कुल के पक्के और न विधर्मियों के कुल के पक्के। लेकिन हैं बहुत पावरफुल।

So, sometimes they are so *powerful* and such *time* also comes when they become the most vicious ones when they go to the foreign countries and keep a lot of girls and their misbehaviour with them is revealed in the world. They will have the luxuries that prosperous people of the world do not possess. Even aeroplanes; what? They even have such aeroplanes which can

land on any terrace. What do you call it? Helicopter. They are so *powerful*. So, what is their name? Nakul. They are neither firm in this religion; they go among the *vidharmis*, *videshis* and earn fame, they teach *rajayoga*. They become completely foreigners. They adopt the foreign culture. They construct tall buildings which even those foreigners do not possess. They (the Sanyasis) have such *personal* planes, aeroplanes which even they (the foreigners) do not possess. So, they are called Nakul. They are neither firm in this clan nor in the clan of the *vidharmis*. But they are very *powerful*.

उसके बाद आखरी पाण्डव सहदेव। ये शास्त्रों में जो नाम पड़े हैं वो नाम काम के आधार पर पड़े हैं या ऐसे ही पड़े हैं? (सभी ने कहा - काम के आधार पर।) और वो काम इस दुनिया का है कलयुग के अन्त समय का नाम है जैसा पार्ट बजाया है या सतयुग, त्रेता, द्वापर का नाम है? संगम युग में उन्होंने ऐसा पार्ट बजाया है। सहदेव क्या? वो आदि से अन्त तक किसके सहयोगी रहते हैं? इस्लाम धर्म के सहयोगी बनकरके नहीं रहते। क्या? (किसीने कुछ कहा।) हाँ। क्रिश्चियन धर्म के सहयोगी बनकर नहीं रहते, संन्यासियों के भी सहयोगी बनकर नहीं रहते, वो सनातन धर्मियों के ही सहयोगी बनकरके रहते हैं। एक नारी सदा ब्रह्मचारी, इस अव्यभिचार का पालन आज भी सिक्ख धर्म में सबसे ऊँची बात मानी जाती है। तो सिक्ख धर्म सहयोगी सहदेव। ये पाँच वर्ग हैं। पाँच प्रकार की उंगलियां हैं, सहयोगी। तो ये विभाग हैं मनुष्यों के। मनुष्यों की गुप्स के विभाग हैं। हम ब्राह्मणों के ही दुनिया में ही ये विभाग प्रत्यक्ष होंगे। कौन किस धर्म का है। इसलिये गीता में भगवान ने अर्जुन से कहा अर्जुन! तू अपने धर्मों को नहीं जानता। मैं तेरे को बताता हूँ। तो कोई तो गुणा भाग होगा न जिसके आधार पर साबित हो जायेंगे कौन किस धर्म का है। और? आप की बात हल हो गई पाँच पाण्डव वाली बात? (जिज्ञासु - जी।) हां जी।

After that the last Pandav is Sahdev. Have the names mentioned in the scriptures been given on the basis of the tasks performed or have they been given without any reason? (Everyone said: On the basis of the work.) And is that task of this world, is that name of the last period of the Iron Age in accordance with the *part* they played or is it a name of the Golden Age, Silver Age, Copper Age? They have played such role in the Confluence Age. Sahdev? What? They remain helpful towards whom from the beginning to the end? They do not remain helpful to the Islam religion. What? (Someone said something.) Yes. They do not remain helpful to Christianity; they do not remain helpful to the Sanyasis either; they remain helpful only to the souls of the Ancient Religion. *Ek naari sadaa brahmacaari* (being loyal to one wife means being celibate) – the assimilation of this purity is considered to be the highest even to this day in Sikhism. So, Sikhism is the helpful Sahdev. These are the five categories, five kinds of fingers that are helpful. So, these are the categories of human

beings. These are the categories of *groups* of human beings. These categories will be revealed only in the world of us Brahmins. [It will be revealed] who belongs to which religion. This is why God told Arjun in the Gita: Arjun! You do not know about your births. I tell you [about them]. So, there must be some calculation on the basis of which it will be proved who belongs to which religion. Anything else? Was your question regarding the five Pandavas solved? (Student: Yes.) Yes.

समय:34.10-41.42

- जिज्ञासु :-** बाबा महाभारत में लव-कुश का युद्ध राम बाप के साथ दिखाते हैं।
- बाबा:-** महाभारत में तो नहीं दिखाया है। महाभारत तो एकदम सतोप्रधान स्टेज का समय में लिखा हुआ ग्रन्थ है। जितने पुराण हैं उन पुराणों में सबसे ज्यादा पुराना पुराण सतोप्रधान स्टेज में लिखा हुआ पुराण उसका नाम क्या है?
- जिज्ञासु :-** महाभारत।
- बाबा:-** ये गीता किससे निकली है? महाभारत से ही गीता का अंश निकला है। गीता महाभारत का एक अध्याय है छोटा सा। महाभारत का ज्ञान सबको होना चाहिए। क्योंकि सतोप्रधान स्टेज में लिखा गया है। जो बाबा ने मुरली में बोला है शुरुआत में शास्त्रों में सच्चाई थी। बाद में फिर, बाद में फिर नए-2 श्लोक एड कर दिये। पहले असली महाभारत था एक लाख श्लोकों का। जो शुरु शुरुआत में व्यास ने लिखा था। बाद में फिर 4 लाख श्लोक हो गए। वो असली महाभारत अभी मिलता भी नहीं है।

Time: 34.10-41.42

- Student:** Baba, a war between Lav-Kush and Father Ram is depicted in the Mahabharata.
- Baba:** It has not been depicted in Mahabharata. Mahabharata is a scripture written in a very *satopradhaan* (pure) stage. Among all the Puranas, what is the name of the oldest Purana written in a *satopradhan* stage?
- Student:** Mahabharata.
- Baba:** Where did this Gita emerge from? Gita has emerged as a part of the Mahabharata itself. Gita is a small chapter of the Mahabharata. Everyone should have the knowledge of Mahabharata because it was written in a *satopradhaan* stage. Baba has said in the murlis that there was truth in the scriptures in the beginning. Later on, newer *shlokas* (verses) were added to it. Initially the original Mahabharata consisted of one lakh *shlokas* which were written by Vyas. Later on they became four lakh *shlokas*. That original Mahabharata cannot even be found today.

- जिज्ञासु :-** तो कैसे लव और कुश राम के बच्चे युद्ध करते हैं?
- बाबा :-** रामायण तो है परिवर्ती काल की। उससे पहले क्या है? महाभारत। इसलिये मुरली में बोला है कि रामायण तो ऐसे है जैसे उपन्यास। वाल्मिक रामायण

के लिये नहीं बोला है। वो कब लिखी गई थी? वाल्मिक कब हुये? द्वापर युग में हुये। और ये जो हिन्दी में रामायण लिखी गई है ये कलयुग की है। तुलसीदास ने जब जन्म लिया आज से 500 साल पहले। तो इसमें तमोप्रधानता है, तामसी बाते हैं। और फिर रामायण के अनेक रूप बन गये। राधे श्याम रामायण वेगेरा, बरवै रामायण। वो तो और ही मिक्सरिटी वाली बातें हो गईं। तो रामायण में जो बातें हैं उनको समझने और समझाने के लिये बहुत विश्लेषण करना पड़ेगा। फिर भी राम के जो चार भाई हैं वो ज्ञान के अनुसार सच्चे साबित होते हैं कि नहीं? जो राजगद्दी दिखाई उस राजगद्दी में चारों भाईयों का एक ही मर्तबा है या नम्बरवार मर्तबे हैं? नम्बरवार मर्तबे हैं। कोई राजा की गद्दी पर बैठा है और कोई खड़ा हुआ है छत्र लेकरके। कोई चंवर डुला रहा है। पंखा कर रहा रहा है। कोई पाँव पखार रहा है। तो मर्तबे नम्बरवार हो गये कि एक जैसे हैं? नम्बरवार मर्तबे हो गए। तो उनमें दो नाम हैं। राम के पुत्रों में। क्या नाम? लव और कुश। राम को कौन से युग से अटैच किया गया है भक्तिमार्ग में?

जिज्ञासु :- त्रेतायुग से।

Student: So, how do the children of Ram, i.e. Luv and Kush fight a war?

Baba: Ramayana belongs to the latter period. What is before that? Mahabharata. This is why it has been said in the murlis that Ramayana is like a novel. It has not been said for the Valmiki Ramayana. When was that written? When did Valmiki exist? He existed in the Copper Age. And the Ramayana that has been written in Hindi is of the Iron Age. It was when Tulsidas was born 500 years ago. So, there is *tamopradhaantaa*⁹, degraded topics in it. And then many forms of Ramayana came. Radheyshyam Ramayana, etc, Barve Ramayana. They contain much more mixture [of topics]. So, one will have to study a lot to understand and explain the topics of Ramayana. Still, do the four brothers of Ram prove to be true according to the knowledge or not? In [the picture of] the royal throne (*rajgaddi*) that has been depicted, do all the four brothers have the same position or do they have number wise (high and low) positions? Someone is sitting on the king's throne and someone is standing with a canopy (*chhatra*). Someone is shaking the fan (*chanwar*). Someone is washing his feet. So, are the positions numberwise or alike? The positions are numberwise. So, among them two have the names of the sons of Ram. What are the names? Luv and Kush. To which age has Ram been attached in the path of *bhakti*?

Student: To the Silver Age (*Tretayug*).

बाबा:- त्रेतायुग से। तो त्रेतायुग के बाद फिर कौन सा युग आता है? द्वापर। द्वापरयुग में कौन-कौन से धर्म पितायें हैं जो उदित होते हैं? इस्लाम धर्म। वो

⁹ Stage of being dominated by darkness or ignorance

विधर्मी जो बड़े रूप में संसार प्रत्यक्ष होते हैं या स्वधर्मी हैं? विधर्मी बड़े रूप में प्रत्यक्ष होते हैं। एक इस्लाम धर्म और दूसरा? (किसीने कहा - बौद्धि।) नहीं। क्रिश्चियन धर्म। दुनिया में सबसे जास्ती आबादी क्रिश्चियन धर्म की आज है। आबादी के हिसाब से देखें तो क्रिश्चियन धर्म की आबादी सबसे जास्ती। एक ऐसा भी टाइम था, जब इस पृथ्वी पर क्रिश्चियन धर्म का राज्य ऐसा विस्तार रूप में फैला हुआ था जहां सूर्य कभी अस्त होता ही नहीं था। क्रिश्चियन्स के राज्य में सूर्य उदय ही बना रहता था। रात होती ही नहीं जैसे। इतना फैला हुआ था। लेकिन मुसलमानों का भी टाइम एक ऐसा था। ये क्रिश्चियन्स का राज्य तो अभी दो सौ - ढाई सौ वर्ष से हुआ है। लेकिन उससे पहले दुनिया में सबसे ज्यादा राजाई कौन से धर्म वाले ने भोगी है द्वापर कलयुग में? (किसीने कहा - मुसलमानों ने।) मुसलमानों ने नहीं, इस्लामियों ने। लम्बे समय तक इन्होंने पृथ्वी का राज्य भोगा है। इस भोग भोगने का कारण क्या हुआ? कि हिन्दू तो इतने पतित हो गये हिन्दू राजायें जिन्होंने ढेर की ढेर रानियाँ रखी। सैकड़ों-2 रानियाँ एक एक राज के रनिवास में। और इस्लामियों में तो नियम बना हुआ है एक पुरुष ज्यादा से ज्यादा अपने जीवन में कितनी शादियां कर सकता है? चार शादियां कर सकता है। चार पत्नियां रख सकता है। इससे ज्यादा नहीं रख सकता। तो ज्यादा पवित्रता का पालन इस्लामियों ने किया या भारत के भारतवासियों ने किया? आज भी उनमें ये नियम है। इसलिये उनकी राजाई लम्बे समय तक चलती है।

Baba:

With the Silver Age. So, which age comes after the Silver Age? The Copper Age. Which great religious fathers arise in the Copper Age? Islam. Are they who are revealed in the world in a big form *vidharmi* or are they *swadharmis*? *Vidharmis* are revealed in a big form. One is Islam and the other? (Someone said: Buddhist.) No. Christianity. Today, the maximum population is of Christianity in the world. From the point of view of population, the population of the Christian religion is the biggest. There was also such *time* when the kingdom of Christianity was spread to such an extent in this world that the Sun never used to set there at all. The Sun always remained risen in the kingdom of the Christians. It was as if night did not fall at all. It was spread to such an extent. But even the Muslims had experienced such a *time*. This Christian kingdom has started 200-250 years ago in the world. But before that people of which religion have experienced the maximum kingship in the world in the Copper Age and Iron Age? (Someone said: The Muslims.) Not the Muslims, but the people of Islam. They have experienced kingship of the earth for a long time. What was the reason for experiencing this pleasure? The Hindus, the Hindu kings became so sinful that they kept numerous queens. There were scores of queens in one *ranivaas*¹⁰. And among the people of Islam there is a rule, how many

¹⁰ Women's quarters (of a palace)

times at the most can a man marry in his lifetime? He can marry four times. He can have four wives. He cannot have more than that. So, did the people of Islam practice more purity [in the Copper Age and Iron Age] or did the Indians practice [more purity]? Even to this day there is a rule among them (people of Islam). This is why their rule continues for a long time.

एक हुआ क्रिश्चियन धर्म पावरफुल और दूसरा हुआ इस्लाम धर्म पावरफुल। दोनों में द्वापर और कलियुगी दुनिया के हिसाब से जो प्यार है जिसे लव कहते हैं, ज्यादा प्यार कौन से धर्म में स्थाई रहता है? इस्लाम धर्म में ज्यादा प्यार स्थाई रहता है। इसलिये उस भाई का नाम रख दिया गया लव। और फिर कौनसा दोनों धर्मों कि बीच ऐसा धर्म है जो दुनिया को बहुत दुख देता है? पार्श्लिटी करके? कुश। कुश माने कांटे माने घास। कैसा कांटा? बबूल के काँटे से भी ज्यादा लम्बा कांटा। उसका नाम रख दिया कुश। ये दो बच्चे पैदा हुये त्रेतायुगी राजा राम के। द्वैतवादी दो बच्चे हैं। बहुत पावरफुल बच्चे हैं। क्या कहा? इतने पावरफुल हैं कि अपने बाप से भी लड़ाई लड़ गए। (जिजासु: बाप को जेल में डाल देते हैं।) हाँ।

One *powerful* religion is Christianity and the other *powerful* religion is Islam. From the point of view of the world of the Copper Age and the Iron Age, love remains constant for a longer period in which religion between these two religions? Love remains constant for a longer period in Islam. This is why that brother has been named Lav (one of the sons of Ram). And then which religion between the two that gives a lot of sorrow to the world by practicing *partiality*? Kush. *Kush* means prickly grass. What kind of a thorn? A thorn longer than the thorn of Babool. He was named Kush. These two children were born to the Silver Age King Ram. These are the two dualistic children. They are very *powerful* children. What was said? They are so *powerful* that they fought even with their father. (Student: They put their father in jail.) Yes.

समय:41.47-45.06

- जिजासु :-** बाबा एक दक्ष प्रजापति का भी यज्ञ रचते हैं...
- बाबा:-** प्रजापति का भी यज्ञ रचते नहीं हैं। बड़े ते बड़ा यज्ञ एक दक्ष प्रजापति का ही होता है सृष्टि के आदि में।
- जिजासु :-** उनकी भी बड़ी कहानी है।
- बाबा:-** हां, कहानी है न।
- जिजासु :-** दक्ष प्रजापति तो है नहीं, ये नाम कहाँ से आया?
- बाबा:-** दक्ष प्रजापति अभी तो है नहीं जबकि बाबा ने पढ़ाई पढ़ाई है। जो प्रजापति था शास्त्रों में जिसका नाम है दक्ष प्रजापति। वो संमगयुग में उसका नाम दक्ष प्रजापति है या उसका नाम कुछ और है? (किसीने कुछ कहा) ना। प्रैक्टिकल

नाम क्या है? दुनिया के हिसाब से शरीर का नाम प्रैक्टिकल क्या है? जब नई सृष्टि उत्पन्न की गई तो उस नई सृष्टि में पहला-2 नाम कौन हुआ? प्रजापिता ब्रह्मा। उस प्रजापिता ब्रह्मा का जो नया नाम हुआ तो नई सृष्टि रचने से पहले क्या नाम रहा होगा? दक्ष नाम रहा होगा या दक्ष से मिलता जुलता कोई और नाम रहा होगा? दक्ष कहते हैं ट्रेन्ड को। क्या? हर बात में क्या? हर बात में ट्रेन्ड। ट्रेन्ड माने दक्ष। उसको हिन्दी में कहते हैं दीक्षित भी। हिन्दी में दक्ष का जो टाइटिल चला आ रहा है वो दीक्षित पड़ता है। तो दीक्षा लेने वाले को, देने वाले को दीक्षित कहा जाता है।

Time: 41.47-45.06

Student: Baba, the *yagya* of Daksh Prajapati is also organized. ..

Baba: Yes, it is not that Prajapita's *yagya* is **also** created. The *yagya* of only one Daksh Prajapati is the biggest *one* in the beginning of the world.

Student: His story is also very famous.

Baba: Yes, there is a story, isn't it?

Student: Daksh Prajapati doesn't exist; then where did the name come from?

Baba: Well, Daksh Prajapati does not exist now when the knowledge is taught by the father. Prajapati, who is named in the scriptures as Daksh Prajapati; His name in the Confluence Age is Daksh Prajapati or is his name something else? (Someone said something.) No. What is his *practical* name? From the point of view of the world, what is the name of the body in practice? When the new world was created, then what was the first name in that new world? Prajapati Brahma. What will have been the name of that Prajapati Brahma before the creation of the new world? Will it be Daksh or will it be some other name similar to Daksh? *Daksh* means *trained*. What? What is he in every field? *Trained* in every field. *Trained* means *Daksh*. He is also called *Dikshit* in Hindi. The *title* of Daksh in Hindi is *Dikshit*. So, the one who gets *dikshaa* (education), the one who gives training is called *Dikshit*.

तो प्रजापिता ने बड़े ते बड़ा यज्ञ किया। किसका पिता? सारी मनुष्य सृष्टि का पिता। सारी मनुष्य सृष्टि उसी की औलाद है। इसका प्रूफ क्या कि सारी मनुष्य सृष्टि एक की औलाद है? कोई प्रूफ होगा कि नहीं? (किसीने कहा - सब मानते हैं।) हां, क्रिश्चियन्स भी उसको मानते हैं। मुसलमान भी उसको मानते हैं, हिन्दु भी लोग उसको मानते हैं और जैनी लोग भी उसको मानते हैं। नाम भले अलग-2 दे दिये हैं। लेकिन काम के आधार पर देखा जाय तो वो एक ही व्यक्ति है सृष्टि के आदि में जिसका कोई पिता का नाम नहीं मिलता है। वो ज्ञान यज्ञ की बात है। कोई स्थूल यज्ञ की बात नहीं है। उस ज्ञान यज्ञ में सती ने अपना देहभान देह को क्या कर दिया? स्वाहा कर दिया। तो देहभान को स्वाहा करना खराब बात हो गई या अच्छी बात हो गई? ज्ञान के आधार पर अच्छी बात हो गई। बाकि तो सब अज्ञानी थे जिन्होंने हाहाकार किया।

So Prajapita organized the biggest *yagya*. Whose *pita* (father)? The father of the entire human world. The entire human world is only his progeny. What is the *proof* of the fact that the entire world is the progeny of one [being]? Will there be any *proof* or not? (Someone said: Everyone accepts him.) Yes. The Christians, the Muslims, the Hindus as well as the Jains accept him. They may have given him different names. But if you see on the basis of the task performed, then there is only one person in the beginning of the world whose father's name is not known. That is about the *yagya* of knowledge. It is not about the physical *yagya*. In that *yagya* of knowledge what did Sati (Prajapati Daksh's daughter) do to her body consciousness, her body? She sacrificed it. So, is it bad to sacrifice the body consciousness or is it a good thing? On the basis of knowledge it is a good thing. All the others who cried in distress were ignorant. ... (to be continued.)

Part-3

समय: 45.17-49.38

- जिज्ञासु :-** बाबा, शिव बाबा सबको दुःख से लिबरेट कर और गाईड बन ले जाते हैं। ये तो सब मानते हैं कि वह लिबरेटर, गाईड है।
- बाबा:-** अच्छा! तब मानें अभी नहीं मानें? (किसीने कहा - सब मानते हैं।) सब मानते हैं, सब, कि वो लिबरेटर है और गाइड है। अच्छा!
- जिज्ञासु :-** सबका पतित पावन बाप है।
- बाबा:-** ठीक है।
- जिज्ञासु-** सबको शांतिधाम सुखधाम में ले जाने वाला है। तो उनकी जयन्ती क्यों नहीं मनाते?
- बाबा:-** शिवबाबा की जयन्ती नहीं मनाते? सबसे पहले तो ब्राह्मण लोग जयन्ती मनाते हैं। शिव की जयन्ती में कृष्ण की जयन्ती मिक्स करके नहीं मनाते हैं रात्रि के 12 बजे? मनाते हैं। कृष्ण को साकार मानते हैं और शिव को निराकार मानते हैं। महाशिवरात्रि कहते हैं या महाशंकर रात्रि कहते हैं? महाशिवरात्रि कहा जाता है। शिव जो है वो शंकर के द्वारा संसार में प्रत्यक्ष होता है। जिसके द्वारा प्रत्यक्ष होता है उसका दूसरा नाम राम भी है। तो राम की भी जयन्ती मनाते हैं और कृष्ण की भी जयन्ती मनाते हैं। राम बाप को कहा जाता है और कृष्ण बच्चे को कहा जाता है। तो बाप की जयन्ती भक्तिमार्ग में पहले मनाते हैं या बच्चे की पहले मनाते हैं? पहले बाप की मनाते हैं। राम नवमी। बाद में श्रावण मास में श्रावण मास के बाद भादो में बच्चे की मनाते हैं।

Time: 45.17-49.38

- Student:** Baba, Shivbaba liberates everyone from sorrow, becomes their Guide and takes them [with Him]. Everyone accepts that He is the Liberator and Guide.
- Baba:** *Acchaa!* Should they believe [this] at that time (*tab*)? Should they not believe [it] now? (Someone said: Everyone (*sab*) believes this.) Everybody believes it, everyone that He is the Liberator and Guide. *Acchaa.*
- Student:** He is the Father who purifies all the sinful ones.
- Baba:** It is correct.
- Student:** He takes everyone to the abode of peace and the abode of happiness, then why isn't His birthday (*jayanti*) celebrated?
- Baba:** Isn't Shivbaba's *jayanti* celebrated? First of all it is the Brahmins who celebrate the *jayanti*. Don't they celebrate the birthday of Krishna with the birthday of Shiva at 12 in the night? They celebrate it. They consider Krishna to be corporeal and Shiv to be incorporeal. Do they say *Mahashivraatri* or *Mahashankar raatri*? It is said *Mahashivraatri*. Shiva is revealed in the world through Shankar. The one through whom He is revealed is also known as Ram. So, they celebrate Ram's *jayanti* as well as Krishna's *jayanti*. The Father is called Ram and the child is called Krishna. So, is the birthday of the Father celebrated first in the path of *bhakti* or is the birthday of the child celebrated first? First the Father's [birthday] is celebrated [as] *Ram Navami*. Later on in the month of *Shravan* (July-August), after the month of *Shravan*, in the month of *Bhadon* (August-September) the birthday of the child is celebrated.

तो ये सब यादगार कहां की हुई? पहले शिव आता है बुद्धि में। फिर बुद्धि में राम वाली आत्मा आती है। फिर राम वाली आत्मा के बाद कृष्ण वाली आत्मा की भी प्रत्यक्षता होती है। इस तरह गीता जयन्ती तो बाप की जयन्ती से पहले है या बाद में? या साथ में है? बाप के आने के साथ है साथ गीता है या आगे-पीछे है? शिव जयन्ती सो गीता जयन्ती। कब हुई वास्तव में? हुई तो यज्ञ के आदि में भी। वो गीता माता, चाहे वो झूठी कर दी गई हो चाहे वो सच्ची हो, सच्ची गीता भी और झूठी गीता भी, यज्ञ के आदि में भी दो मातायें थी कि नहीं थी? दोनों मातायें थीं। लेकिन उस समय प्रत्यक्षता नहीं हुई। इसलिये होना न होना बराबर हो गया। फिर असली प्रत्यक्षता उन दोनों आत्माओं की प्रैक्टिकल में, चैतन्य में कब होती है? 76 में। इन लक्ष्मी-नारायण का जन्म कब हुआ? 76 में हुआ। तो 76 में गीता भी है और वो गीता भी है जो विधर्मियों ने, विधर्मी मनुष्यों ने झूठी कर दी। महाकाली का रूप भी है और महागौरी का भी रूप है जगदम्बा। तो गीता माता तो है। जयन्ती गीता माता का भी मनाई जाती है और जयन्ती शिव की भी मनाई जाती है। लेकिन पहले-2 हम बच्चे मनाते हैं। किसकी जयन्ती? शिव जयन्ती। दुनिया तो शिव को

जानती नहीं तो जयंती नहीं मनाती है। क्या मनाती है? महाशिवरात्रि मनाती है।

So, all these are the memorials of which time? First Shiva comes to the intellect. Then the soul of Ram comes to the intellect. Then after the soul of Ram, the soul of Krishna is also revealed. In this manner, is the *jayanti* of Gita before the *jayanti* of the Father or is it after that? Or is it simultaneous? Does Gita come along with the Father or does she come before or after Him? *Shivjayanti* is *Gitajayanti*. When did it happen in reality? It happened in the beginning of the *yagya* as well; that mother Gita, whether she was falsified or whether she was true; true Gita as well as the false Gita. Were there two mothers in the beginning of the *yagya* as well or not? There were both the mothers. But the revelation did not take place at that time. This is why it was one and the same whether [the revelation] took place or not. Then, when does the true revelation of both the souls take place in practice, in a living form? In 76. When were these Lakshmi and Narayan born? They were born in 76. So, there is this Gita as well as that Gita which was falsified by the *vidharmis*, by the *vidharmi* human beings. There is the form of *Mahakali* (the darkest one) as well as *Mahagauri* (the fairest one), Jagadamba. So, the mother Gita does exist. Mother Gita's *jayanti* as well as Shiva's *jayanti* is celebrated. But first of all we children celebrate it. Whose *jayanti*? *Shivjayanti*. The world does not know about Shiva so it doesn't celebrate His birthday. What does it celebrate? It celebrates *Mahashivraatri*.

समय: 49.41-50.54

जिज्ञासु :- बाबा, मुरली में बोला हुआ कि जो बच्चे बाबा को ज्यादा याद करते हैं वो ज्यादा हेल्दी, वेल्दी और हैप्पी रहते हैं। और बाबा ने मुरली में बोला है कि शरीर सड़ते जावेंगे, आत्मा पावरफुल बनती जावेगी।

बाबा:- ठीक है।

जिज्ञासु:- इसका अर्थ क्या होगा बाबा?

बाबा:- माना शरीर में अगर बीमारी हो, शरीर सड़ा हुआ हो तो आदमी खुश नहीं रह सकता है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) बताओ खुश रह सकता है कि नहीं? (जिज्ञासु - रह सकता है।) बात खत्म हो गई। शरीर सड़ते जावेंगे का मतलब यह नहीं कि बुद्धि सड़ती जावेगी। (किसी ने कहा - नहीं, कोई बीमारी हो...)

बाबा:- भले कितनी भी बीमारी हो, लेकिन अगर बाप की याद पक्की है सच्ची, सच्चाई रूप से बाप की याद है और दुनिया में सब भूले हुए हैं तो शरीर का जो दुःख है वो भी भासेगा मन बुद्धि को कि नहीं भासेगा? नहीं भासेगा। तो शरीर भले सड़ता जावे। वो पाँच तत्वों की बात हो गई। हम पाँच तत्वों से परे आत्मा हैं या पाँच तत्वों में रिदे बिदे हैं? हम तो अलग हैं। तो जो चीज़ अलग है उससे हम प्रभावित कैसे होंगे?

- Student:** Baba, it has been said in the murli that the children who remember Baba more are healthy, wealthy and happy. And Baba it has been said in a murli that the bodies will go on rotting and the soul will go on becoming powerful.
- Baba:** It is correct.
- Student:** What does it mean, Baba?
- Baba:** Can't a person remain happy if there is any illness, if the body is rotten? (Student said something.) Tell me, can he remain happy or not? (Student: He can.) The matter ends there. The bodies will go on rotting does not mean that the intellect will go on rotting. (Someone said: No, if there is any illness...)
- Baba:** However ill someone is, if the Father's remembrance is firm, true, if you remember the Father truthfully, if you have forgotten everything else in the world, then will the mind and intellect feel the pain of the body or not? It will not. So, the body may go on rotting. That is about the five elements. Are we a soul beyond the five elements or are we mingled with the five elements? We are separate. So, how can we be influenced by something that is separate [from us]?

समय: 50.57-51.21

- जिज्ञासु :-** बाबा शरीर के रोग हैं, वो कर्म भोग हैं?
- बाबा:-** कर्म भोग तब तक है जब तक आत्मा पाँच तत्वों से चिपकी हुई है, अपन को देह समझती है। तब तक देह के दुःख भी हैं। देह के दुःख के बन्धनों में बंध करके फिर वो ईश्वरीय सेवा भी बाधित हो जाती है।

Time: 50.57-51.21

- Student:** Baba, are diseases of the body *karmabhog*.
- Baba:** The karmic sufferings will continue until the soul is stuck to the five elements or considers itself to be a body. Until then the sorrows of the body also exist. The service of God is also obstructed by being bound in the bondage of the sorrow of the body.

समय: 51.26-54.51

- जिज्ञासु :-** बाबा, इस सीढ़ी के चित्र में विनाश काले विपरीत बुद्धि विनश्यते का चित्र तो दे दिया लेकिन विनाश काले प्रीत बुद्धि विजयन्ते का चित्र नहीं दिया ।
- बाबा:-** नहीं। वो मुरली में बताया है, कि सीढ़ी के चित्र में लिखा हुआ है विनाशकाले विपरीत बुद्धि विनश्यते वो नीचे लिखा हुआ है। तुम बच्चे लिखो! क्या? विनाश काले विपरीत बुद्धि विनश्यते। 40 वर्ष के संगम युग के बाद। क्या रिजल्ट होता है? सीढ़ी के चित्र में जहां ब्राह्मण बैठे हुये हैं... (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हां, जहां ब्राह्मण बैठे हुए हैं पुष्करणी ब्राह्मण, वहां लिखो उपर, क्या लिखो? विनाशकाले विपरीत बुद्धि विनश्यते। उनका विनाश हो गया। उनके चित्र भी दिये हुये हैं। वो कोई भी पुरानी दुनिया का विनाश होगा तो जीवित नहीं बचेंगे। तो विनाश हो गया या विजय हो गई? विनाश हो गया। लेकिन वो विनाश तो लास्ट में, बाद में होगा। उनका तो पहले ही विनाश हो गया।

Time: 51.26-54.51

Student: Baba, in this picture of the Ladder there is the picture of '*vinaashkaale vipriit buddhi vinashyate*' (those whose intellect is opposing [towards God] at the time of destruction will be destroyed) but there isn't the picture of '*vinaashkaale priitbuddhi vijayante*' (those who have loving intellect [towards God] at the time of destruction gain victory).

Baba: It has been said in the murli that it has been written in the picture of the Ladder '*vinaashkaale vipriit buddhi vinashyate*'. That is written below. You children should write. What? '*Vinaashkaale vipriit buddhi vinashyate*' after the forty years Confluence Age. What is the result? In the picture of the Ladder, where the Brahmins are sitting... (Student said something.) Yes, you should write above, where the Brahmins, the Pushkarni Brahmins are sitting. What should you write? '*Vinaashkaale vipriit buddhi vinashyate*'. They were destroyed. Their pictures have also been given. When the old world is destroyed then none of them will survive. So, were they destroyed or did they gain victory? They were destroyed. But destruction will take place in the *last* period and they were destroyed before itself.

सीढ़ी के चित्र में नीचे क्या लिखा हुआ है? कितना वर्ष? 40 वर्ष। वो कब पूरे हुए? 76 में पूरे हुए। माने 76 में कोई ऐसी नई दुनिया, नया संगठन तैयार हो जाता है, जिसमें कुछ बच्चे हैं जो सब धर्मों के बीज हैं मुख्य-मुख्य धर्मों के। वो फिर भी जिन्दा रहते हैं। ज्ञान में निश्चय बुद्धि रहते हैं। और 76 में जब विनाश नहीं होता तो बाकि सब अनिश्चय बुद्धि विनश्यती की स्टेज में चले जाते हैं। चाहे वो ब्रह्मा हो, चाहे सरस्वती हो, चाहे कुमारिका दादी हो, चाहे विश्व किशोर हो, चाहे मनमोहिनी दादी हो, सब विनाश काले विपरीत बुद्धि विनश्यते। और उसका प्रूफ जो बाबा के बनाये हुए चार चित्र हैं उन चार चित्रों को ही क्या कर देते हैं? नष्ट कर देते हैं। अनिश्चय बुद्धि होते हैं तब ही नष्ट कर देते हैं या निश्चय बुद्धि होते हैं तब नष्ट करते हैं? मुरलियों को भी? मुरलियों में भी रद्द बदल कर देते हैं। वो निश्चय बुद्धि होते हैं तब रद्द कर देते हैं कि अनिश्चय बुद्धि हैं तब रद्द कर दिया? अनिश्चय बुद्धि हुये तो बाबा की मुरलियों को कांट छांट कर दिया और अपनी बातें एड कर दी। विनाशकाले विपरीत बुद्धि विनश्यते लिखो नीचे और ऊपर कार्नर में, जहां पर चार दिखाये गए हैं वहां लिखो विनाश काले प्रीत बुद्धि विजयन्ते। माने प्रीत बुद्धि साकार के लिये आता है या निराकार कि लिये प्रीत बुद्धि और विपरीत बुद्धि होता है? कोई साकार व्यक्तित्व है भगवान के रूप में संसार में प्रत्यक्ष होता है जिसके लिये ये लिखो विनाश काले प्रीत बुद्धि विजयन्ते। उन्होंने विजय प्राप्त की और वो विनाश को प्राप्त हो गये । उनका पद विनाश हो गया। ऐसे

नहीं शरीर का ही विनाश हो गया सबका इकट्ठा। उनके पद का विनाश हो गया। (जिज्ञासु - उनका तो धर्म ही बदल गया।) हाँ, जी।

What has been written below in the picture of the Ladder? How many years? Forty years. When were they completed? They were completed in 76. It means that in 76, such a new gathering of the new world gets ready which includes some children who are the seeds of all the religions, of the main religions. They still remain alive. They continue to have faith in knowledge. When destruction does not take place in 76 then all the others lose faith and are destroyed. Whether it is Brahma, Saraswati, Kumarka Dadi, Vishwa Kishor, Manmohini Dadi, everyone is destroyed as they have an opposite intellect [towards God] at the time of destruction. And its *proof* is that the four pictures prepared by Baba, what do they do to those four pictures? They destroy them. Do they destroy them only when they lose faith or do they destroy them when they have faith? They made changes even the murlis. Do they make changes in it when they have faith or did they make changes in it when they had doubts? When they had doubts, they made changes in Baba's murlis and added their own opinions in it. Write below '*vinaashkaale vipriit buddhi vinashyate*'. And in the top *corner*, where four [people] have been depicted, write there '*vinaashkaale priitbuddhi vijayante*'. It means ... Does someone have *priitbuddhi* towards the corporeal one or does someone have *priitbuddhi*, *vipriitbuddhi* towards the incorporeal One? There is a corporeal personality who is revealed in the world in the form of God for whom you should write '*vinaashkaale priitbuddhi vijayante*'. They (those who loved God) gained victory and they (those who opposed God) were destroyed. Their position was destroyed. It is not that the bodies of everyone were destroyed together. Their position was destroyed. (Student: Their very religion changed.) Yes.

समय: 54.53-57.17

- जिज्ञासु :-** बाबा, बाबा ने मुरली में बोला हुआ है रोने वाले बच्चे मुझे अच्छे नहीं लगते।
- बाबा:-** अच्छे क्या लगते हैं?
- जिज्ञासु:-** जो बच्चे याद करते करते आँसू आ जाते हैं।
- बाबा:-** याद के आँसू अलग बात है। जो याद के आँसू हैं, कोई बहुत लम्बे समय से कोई बिछड़ा हुआ मिलता है तो प्यार ऐसा उमड़ जाता है कि आँख से प्रेम के आँसू निकलते हैं। वो आँसू अलग और दुख के आँसू अलग। बाप कहते हैं जो रोता है सो खोता है। तो खोने वालों की लिस्ट हो गई या पाने वालों की लिस्ट हो गई? उनकी बुद्धि में ये खुशी रही कि हमारा कल्याण करने वाला बाप मिला है? देहधारियों की खुशी और दुख पैदा होता है, देहधारियों से प्रभावित होते हैं या वो निराकार परमपिता परमात्मा जो इस सृष्टि पर जो साकार रूप लेकर आया है उससे प्रभावित हो कर रहते हैं? अगर एक से प्रभावित होकर रहे तो किसकी प्रजा बनेंगे? सुखदाता की प्रजा सुख देव बनेंगे, सुख लेने वाले

बनेंगे या दुख देने और दुख लेने वाले बनेंगे? ये भी एक प्रत्यक्षता की बात है। क्या?

Time: 54.53-57.17

Student: Baba, Baba has said in a murli that I dont like the children who cry.

Baba: He doesn't like them.

Student: What about those children who get tears while remembering Baba?

Baba: Tears during remembrance is a different case. As regards the tears that come during remembrance, if you meet someone who was separated from you for a very long time, then such love emerges that tears of love come from the eyes. Those tears are different and the tears of sorrow are different. The Father says: The one who cries loses. So, are they included in the *list* of losers or gainers? Did their intellect feel the happiness: we have found the Father who brings our welfare? They feel happiness and sorrow due to the bodily beings. Are they influenced by the bodily beings or are they influenced by the incorporeal Supreme Father Supreme Soul who has come in a corporeal form in this world? If they remain influenced by the One, then whose subjects will they become? Will they become *Sukhdev* (the one who gives happiness), subjects of the Giver of Happiness (*sukhdata*)? Will they obtain joy or will they give and take sorrow? This is also a topic of revelation. What?

शिवबाबा आया हुआ है। बच्चे इस समय कोई रोते हैं दुख में और कोई बच्चे उनके दुख में देखते हुये भी, उनको देखते हैं कि हाँ ये रो रहे हैं तो भी उनको दुख नहीं भासता। कारण क्या हुआ? कारण क्या हुआ? जो रोने वाले हैं वो अपना भाग्य खो रहे हैं। अरे ! भाग्य विधाता बाप आया हुआ है। रोने की दरकार क्या ? कुछ भी हो जाय हम अपनी शूटिंग खराब नहीं करेंगे किसी हालत में। संगम युग है मौजों का युग कि दुख देने और लेने का युग? लेकिन देहधारियों से अगर कही प्रीति लग गई तो दुख जरूर मिलेगा और दुख जरूर देंगे। अगर एक बाप दूसरा न कोई तो दुख का सवाल ही पैदा नहीं होता।

Shivbaba has come; some children cry because of sorrow at this time and some children do not feel sorrow even when they see them crying. What is the reason? Those who are crying are losing their luck. *Arey!* The Fortune Maker Father has come. Where is the need to cry? Whatever may happen, we will not spoil our *shooting* under any circumstances. Is the Confluence Age an age of joy or an age of giving and taking sorrow? But if you have love for bodily beings, then you will definitely get sorrow and you will definitely give sorrow. If you believe in the One Father and no one else, then the question of sorrow does not arise at all.

समय: 57.21-59.27

- जिज्ञासु :-** बाबा भक्तिमार्ग में शंकर के जटा में गंगा को दिखाते हैं। उसी को महाभारत में शान्तनु की पत्नी के रूप में दिखाया गया है। उसके सात बच्चे दिखाये गये हैं।
- बाबा:-** तो आप शान्तनु किसे समझते हैं? शांत रहने वाला और कोई नहीं है उसके सिवाय। क्या? वो किसके वंश में हुए थे? शान्तनु राजा किसके वंश में हुये? भरत वंश में । यानी 5000 साल पहले राजा भरत हुये थे, वो चक्रवर्ती राजा थे, विश्व विजयी। शान्तनु की आत्मा और भरत की आत्मा एक ही आत्मा है कि अलग-2 है? एक ही आत्मा है। वो भी चक्रवर्ती और वो भी चक्रवर्ती। वो 5000 वर्ष पहले कि बात है वो 5000 वर्ष बाद की बात है। शान्तनु का जो पावरफुल पुत्र पैदा हुआ वो कौन था? देवव्रत। (किसीने कहा - भीष्म।) हाँ, जी। उनके भी 7 बड़े भाई दिखाए गये हैं। उन्होंने भी अनुसरण किया है कृष्ण का ही। जैसे कृष्ण के सात बड़े भाई थे कृष्ण ने कोस लिये। ऐसे ही देवव्रत के भी 7 बड़े भाई थे जो गंगा ने गंगा की गोद में पहले ही बहा दिये । वो शान्तनु कोई दूसरा नहीं है। (किसीने कहा - बाबा ही है।) हां जी।

Time: 57.21-59.27

Student: Baba, Ganga is shown in the hairlocks of Shankar in the path of *bhakti*. The same Ganga been shown in the form of Shantanu's wife in the Mahabharata. She is also shown to have seven children.

Baba: So, who do you consider as Shantanu? There nobody else who remains peaceful (*shaant*) other than him? What? In whose dynasty was he born? King Shantanu was born in whose dynasty? The Bharat dynasty. It means that there was King Bharat 5000 years ago. He was an emperor, a world conqueror. Is the soul of Shantanu and the soul of Bharat one and the same or different? They are one and the same soul. Both of them are emperors. That is about 5000 years ago and that is about 5000 years later. Who was the *powerful* son born to Shantanu? Devvrat. (Someone said: Bhism.) Yes. He was also shown to have seven elder brothers. They have also followed Krishna. Just as Krishna had seven elder brothers whom Kansa killed, similarly, Devvrat had seven elder brothers who were made to flow in the lap of Ganga by Ganga herself earlier. That Shantanu is not someone else. (Student said: It is Baba himself.) Yes.

समय: 59.35-01.03.26

- जिज्ञासु :-** बाबा, सूक्ष्मवतन में तो है सिर्फ ब्रह्मा, विष्णु और शंकर। ब्रह्मा और विष्णु तो पूर्वजन्म में आते हैं।
- बाबा:-** पूर्वजन्म में कि पुनरजन्म में?
- जिज्ञासु: -** पुनरजन्म में।
- बाबा:-** पुनरजन्म में आते हैं। हाँ।

जिज्ञासु:-

बाकी शंकर नहीं आता।

बाबा:-

इसका अर्थ नहीं समझे? इसका अर्थ बेहद का अर्थ है। ये ब्रह्मा, विष्णु, शंकर बेहद के संगमयुगी दुनिया के जीवड़े हैं या बाहर की दुनिया के, हद के दुनिया के जीवड़े हैं? बेहद की दुनिया की बात है। मृत्यु होना और जिन्दा होना ये निश्चय, अनिश्चय की बात है। माने विष्णु की आत्मा विष्णु के रूप में पार्ट बजाने वाली। विष्णु के रूप में, वैष्णव देवी के रूप में संसार में प्रत्यक्ष होने वाली जो आत्मा है वो निश्चय, अनिश्चय के चक्र में आ सकती है , अभी भी आ रही है। क्या? कभी भगवान के उपर निश्चय होता है जो प्रैक्टिकल में भगवान आया हुआ है और कभी अनिश्चय हो जाता है। ब्रह्मा की सोल भी भल शंकर में प्रवेश करती है चन्द्रमा के रूप में तो भी कभी निश्चय आता है और कभी अनिश्चय आता है। निश्चय आता है तो एडवांस का ज्ञान भी सुनती है दूसरों को सुनाती भी है। निश्चय बुद्धि भी कराती है। उनको और उनको फालो करने वाली आत्माओं की पार्टी का नाम क्या दिया है?

Time: 59.35-01.03.26

Student:

Baba, there are just Brahma, Vishnu and Shankar in the subtle world. Brahma and Vishnu pass through their past birth (*puurva janma*).

Baba:

Is it *puurva janma* (past birth) or *punar janma* (rebirth)?

Student:

Rebirth.

Baba:

They are reborn. Yes.

Student:

But Shankar is not reborn.

Baba:

Did you not understand its meaning? Its meaning is unlimited. Are these Brahma, Vishnu and Shankar beings of this unlimited Confluence Age world or are they beings of the outside world, limited world? It is about the unlimited world. Death and birth is about faith and faithlessness. It means that the soul of Vishnu who plays a *part* in the form of Vishnu, the soul who is revealed in the world in the form of Vishnu, *Vaishnavi devi* can pass through the cycle of faith and doubts and it is passing through it even now. What? Sometimes it has faith on God, the God who has come in practice and sometimes it has doubts. Although the *soul* of Brahma enters Shankar in the form of the moon, sometimes it has faith and sometimes it has doubts. When it has faith, it listens to the *advance* knowledge and narrates it to the others as well. It makes them have faith. What is the name of him and the party of the souls that follow him?

अरे, एडवांस पार्टी में तीन प्रकार की पार्टियां हैं। इन्स्प्रेटिंग पार्टी। इंसिप्रेट करके हम बच्चों को उमंग उत्साह दे रही है। फिर जब अनिश्चय बुद्धि बनती है तो कहाँ प्रवेश करती है जा के? तो गुलजार दादी में जाकर प्रवेश करती है। तो ब्रह्मा हो और चाहे विष्णु हो, चाहे उनके फालोवर्स हो वो अनिश्चय बुद्धि बनते रहते हैं। एक ही ऐसी आत्मा है जो कभी निश्चय, अनिश्चय के चक्र में नहीं आती है। उसका नाम दूसरा दे दिया है प्रजापिता। ब्रह्मा की दिन और

रात गाई हुई है कि प्रजापिता की दिन और रात गाई हुई है? मुरली में कहीं भी नहीं बोला है प्रजापिता का दिन और प्रजापिता की रात। क्यों? क्योंकि प्रजापिता ब्रह्मा के रूप में पार्ट बजाने वाली जो आत्मा है वो सदैव निश्चय रूपी दिन में रहती है। कभी भी अनिश्चय बुद्धि रूपी मृत्यु नहीं होती। एक ही आत्मा है ऐसी इसलिये भक्तिमार्ग में शास्त्रों में कहते हैं आत्मा सो परमात्मा। बात समझ में आ गई? अरे! (जिज्ञासु: हाँ।) हां जी। ब्रह्मा को और विष्णु को जो दिखाया है वो और स्वरूप में दिखाया है और शंकर को, भक्तिमार्ग में भी मानते हैं उनकी कभी मृत्यु नहीं होती। उनका कभी जन्म भी नहीं होता। जन्म भी नहीं दिखाया तो मृत्यु भी नहीं दिखायी। माना इस सृष्टि रूपी रंग मंच पर आलराउण्ड पार्ट है।

Arey, there are three kinds of parties in the advance party. Inspiring party. They are inspiring us children and increasing our zeal and enthusiasm. But when they lose faith then where does it go and enter? It enters Gulzar Dadi. So, whether it is Brahma or Vishnu or their followers, they keep losing faith. There is only one soul who never passes through the cycle of birth and death. He was also named Prajapita. Is Brahma's night and day famous or is Prajapita's night and day famous? Prajapita's day and night have not been mentioned anywhere in the murlis. Why? It is because the soul who plays a part in the form of Prajapita Brahma always remains in the day like faith. It never meets the death like doubt. There is only one soul; this is why it is said in the scriptures in the path of bhakti that a soul is equal to the Supreme Soul. Did you understand? Arey! (Student: Yes.) Yes. Brahma and Vishnu have been shown in other forms and as regards Shankar, it is believed in the path of bhakti also that he never dies. He is never born. Neither his birth nor his death has been shown. It means that he plays an all round part on this world stage.

समय: 01.03.31-01.05.04

जिज्ञासु :- बाबा, एक मुरली में बोला है जिसकी 60 साल आयु होती है उनको गृहस्थ में नहीं रहना चाहिए।

बाबा:- वो वानप्रस्थी हो गया... बेहद में अगर वानप्रस्थी हो गया तो मन बुद्धि से घर में रहने की बात त्याग देनी चाहिए, उपराम हो जाना चाहिए या मन बुद्धि जो है लिम्पायमान रहना चाहिए घर गृहस्थ में? उपराम होना चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि घर गृहस्थी प्रैक्टिकल में छोड़ दे। (किसीने कुछ कहा।) हाँ,जी। नहीं तो ब्रह्मा बाबा को फालो कैसे करेंगे? कर्मों में किसको फालो करना है? ब्रह्मा बाबा को। ब्रह्मा बाबा यशोदा माता के साथ रहे या छोड़ करके भाग गए? साथ में रहे। नहीं तो दोष आ जायेगा बाबा की वाणी में, बाबा ने कहा कर्मों में किसको फालो करना है? ब्रह्मा को फालो करना है। और बात मेरी

मानना है। मेरे को फालो नहीं करना है तो शंकर जी की तरह सोटिया, लंगोटिया होकर के चल पड़ो। ☺ (किसीने कहा - ऐसे ही सोचा था।) हाँ, जी। ☺

Time: 01.03.31-01.05.04

Student: Baba, it has been said in a murli that the one who reaches 60 years of age should not remain in a household.

Baba: The one who becomes *vaanprasthi* (reaches the stage of *vaanprasth*¹¹)... If someone becomes *vaanprasthi* in the unlimited, then should he renounce the the thought of living at home through the mind and intellect, should he become detached or should the mind and intellect remain attached to the household? It should become detached. It does not mean that he should leave the household in practice. (Someone said something.) Yes. Otherwise, how will you *follow* Brahma Baba? Whom should you *follow* in actions? Brahma Baba. Did Brahma Baba live with mother Yashoda or did he leave her and run away? He lived with her. Otherwise, Baba's words will be wrong; Baba has said: Whom should you *follow* in actions? You have to *follow* Brahma. And you should listen to Me. You should not *follow* Me so that you wear a *sotia* and *langotia* (the one with a loin cloth) like Shankarji and get going. ☺ (Someone said: This is what we thought.) Yes. ☺

समय: 01.05.10-01.05.46

जिज्ञासु :- बाबा अष्टदेव अलग हैं, अष्ट रतन भी अलग हैं और जो धर्म गुरु हैं वो भी अलग है?

बाबा:- ठीक है।

जिज्ञासु:- धर्म गुरु वो कौनसे हुए?

बाबा:- धर्म पितायें वो हैं जो उपर से आते हैं।

जिज्ञासु :- रत्नों में प्रवेश करते हैं?

बाबा:- रत्नों में प्रवेश नहीं करते हैं।

Time: 01.05.10-01.05.46

Student: Baba, are the *asht dev* (eight deities), the *asht ratan* (eight gems) and the religious gurus separate?

Baba: It is correct.

Student: Then, who are the religious gurus?

Baba: The religious gurus are those who come from above.

Student: Do they enter the gems?

Baba: They don't enter the gems.

Om Shanti. (Concluded.)

¹¹ Age of retirement